संरक्षक मण्डल

प्रोफेसर नरेंद्र कुमार तनेजा जी

माननीय कुलपति, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ

प्रोफेसर अनिल कुमार शुक्ल जी

माननीय कुलपति, महात्मा ज्योतिबा फुले रुहेलखण्ड विश्वविद्यालय, बरेली

प्रोफेसर वाई0 विमला जी

माननीया प्रति-कुलपति, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ

माननीय भगवती प्रसाद राघव जी

क्षेत्र संयोजक, प्रज्ञा प्रवाह, पश्चिमी उत्तर प्रदेश क्षेत्र

कार्यशाला निदेशक

प्रोफेसर पवन कुमार शर्मा

विभागाध्यक्ष, राजनीति विज्ञान विभाग,
निदेशक, पण्डित दीनदयाल उपाध्याय शोधपीठ,
चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ, उ0प्र0

कार्यक्रम संयोजक

डॉ0 प्रवीण कुमार तिवारी

समन्वयक, पण्डित दीनदयाल उपाध्याय शोधपीठ,
महात्मा ज्योतिबा फुले रुहेलखण्ड विश्वविद्यालय, बरेली, उ0प्र0
प्रान्त संयोजक, प्रज्ञा परिषद (प्रज्ञा प्रवाह, ब्रज)

आयोजन सचिव व कार्यशाला संचालक

डॉ0 राजेंद्र पाण्डेय

सह-आचार्य, राजनीति विज्ञान विभाग,
चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ, उ0प्र0

आयोजन सह-संयोजक

प्रोफेसर वीरपाल सिंह

कुलानुशासक, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ, उ0प्र0
प्रान्त शोध संयोजक, तपोभूमि विचार परिषद, मेरठ

डॉ0 देवेश मिश्र

अध्यक्ष, संस्कृत विभाग, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी
प्रान्त शोध संयोजक, देवभूमि विचार मंच, उत्तराखण्ड

आयोजन सह-सचिव

डॉ0 रामबाबू सिंह

सह-समन्वयक, पण्डित दीनदयाल उपाध्याय शोधपीठ,
महात्मा ज्योतिबा फुले रुहेलखण्ड विश्वविद्यालय, बरेली, उ0प्र0

डॉ0 मीनाक्षी द्विवेदी

सहायक प्रोफेसर, शिक्षा विभाग, MJPRU
प्रान्त शोध संयोजक, प्रज्ञा परिषद (प्रज्ञा प्रवाह, ब्रज)

परामर्शदात्री समिति

डॉ0 लक्ष्मण सिंह बिष्ट, अध्यक्ष, तपोभूमि विचार परिषद
डॉ0 चैतन्य भण्डारी, अध्यक्ष, देवभूमि विचार मंच
प्रोफेसर एन0 एन0 पाण्डेय, निदेशक, प्रज्ञा शोध संस्थान
डॉ0 विनोद कुमार शर्मा, सह-निदेशक, प्रज्ञा शोध संस्थान
प्रोफेसर आर0 के गुप्त, निदेशक, आर्यावर्त शोध संस्थान
डॉ0 एम0 एस0 गुसाँई, उप-निदेशक, आर्यावर्त शोध संस्थान
डॉ0 वकुल बंसल, निदेशक, भारत केंद्रित शोध संस्थान
प्रोफेसर सोनू द्विवेदी, प्रान्त शोध समन्वयक, देवभूमि विचार मंच

आयोजक मण्डल

डॉ0 गौरव राव, समन्वयक, प्रज्ञा शोध संस्थान
श्री रश्मि रंजन, प्रान्त कार्यालय सचिव, प्रज्ञा परिषद
श्री विमल कुमार, सह-समन्वयक, पं. दी. द. उ. शोधपीठ, MJPRU
डॉ0 कीर्ति प्रजापति, सहायक प्रोफेसर, शिक्षा विभाग, MJPRU
डॉ0 आदर्श पाण्डेय, प्रान्त शोध सह-संयोजक, प्रज्ञा परिषद

तकनीकी सहयोग एवं सम्पर्क:

डॉ0 भूपेन्द्र सिंह, CCSU (9997691886);
डॉ0 देवेंद्र उज्ज्वल, CCSU (7895347922);
श्री संतोष त्यागी, CCSU (9808491679);
श्री भानु प्रताप सिंह, CCSU (8791510091)

कार्यशाला मीडिया प्रभारी

श्री मितेंद्र कुमार गुप्ता, CCSU (8512889907)
श्री नितिन त्यागी, CCSU (9599445794)

रजिस्ट्रेशन हेतु सूचना: रजिस्ट्रेशन हेतु दिए गए गूगल फ़ॉर्म के लिंक पर क्लिक करें (https://forms.gle/HzDXK7t3yXiJLsQR7)
प्रतिभागियों को ई-प्रमाणपत्र प्रदान किया जाएगा।
कार्यक्रम का प्रसारण निम्नांकित यूट्यूब चैनल पर किया जाएगा

YouTube
https://www.youtube.com/channel/UC_HrKKH-yvRDwjqvKS3iWSQ

"शोध की भारतीय व समकालीन दृष्टि"

विषयक सप्त-दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला

(दिनांक 01/07/2020 से 07/07/2020)

❋ आयोजक ❋

पण्डित दीनदयाल उपाध्याय शोधपीठ,
राजनीति विज्ञान विभाग,
चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ;
पण्डित दीनदयाल उपाध्याय शोधपीठ,
महात्मा ज्योतिबा फुले रुहेलखण्ड
विश्वविद्यालय, बरेली तथा
प्रज्ञा प्रवाह पश्चिमी उत्तर प्रदेश क्षेत्र
(प्रज्ञा परिषद, ब्रज; देवभूमि विचार मंच,
उत्तराखण्ड तथा तपोभूमि विचार परिषद, मेरठ)

सादर वन्दे!

भारतीय समाज आदि काल से ही 'ज्ञान-समाज' था। भारतीय लोकमानस की ज्ञान मीमांसात्मक दृष्टि के फलस्वरूप विविध क्षेत्रों में सम्पादित अनेकानेक शोधों ने ज्ञान के व्यापक व विशद शास्त्रों की रचना का मार्ग प्रशस्त किया। भारतीय शास्त्रीय परम्परा के हज़ारों ग्रंथ इसके प्रमाण हैं। भारत में प्राचीन काल से ही गणित, विज्ञान, साहित्य, संगीत, कला, स्थापत्य आदि क्षेत्रों में अनगिनत शोध हुए जिसके परिणाम स्वरूप प्राप्त विपुल ज्ञान राशि से न केवल भारत का अपितु सम्पूर्ण विश्व का कल्याण हुआ। यही कारण है कि प्राचीन काल से ही ज्ञानार्जन के उद्देश्य से विश्व के विविध क्षेत्रों से ज्ञानानुरागियों का निरंतर इस देश में आगमन होता रहा। परन्तु हज़ारों वर्षों से निरंतर हो रहे आक्रमणों के विरुद्ध संघर्ष कर रहे इस देश ने ज्ञान के प्रमुख केंद्रों के रूप में अपने विद्यापीठों, शोधकेंद्रों व महान ग्रंथालयों को आतातायियों के हाथों नष्ट होते हुए भी देखा। विदेशी आक्रमणों ने राजसत्ताओं व विद्याकेंद्रों को समान रूप से शत्रु मानते हुए नष्ट किया। इस संक्रमण काल में भारत की ज्ञान परम्परा का मूल उत्स 'शोध' बहुत अधिक प्रभावित हुआ। कालांतर में विदेशी शासन के दुश्चक्रों ने न केवल भारत की ज्ञान परम्परा को नष्ट किया अपितु एक आयातित शिक्षा व शोध की प्रविधि को ही एक मात्र प्रामाणिक प्रविधि के रूप में प्रचारित कर सभी को उसके अनुसरण हेतु बाध्य किया। इस कारण से शनैः-शनैः भारत की ज्ञान परम्परा व शोध दृष्टि पर नयी शिक्षा व शोध की प्रणालियाँ आरोपित हो गयीं; और भारतीय ज्ञान रचना के मूल उत्स का विस्मरण हो गया।

वर्तमान में ज्ञान की रचना हेतु वैज्ञानिक शोध की जिस प्रणाली को अपनाया जाता है; उससे भी श्रेष्ठ व बहुआयामी शोध प्रणाली भारत की परम्परा में रची-बसी रही जिसकी चर्चा वर्तमान अकादमिक जगत में ना के बराबर होती है। अतः इस विषय को अकादमिक जगत में परिचर्चा के विषय के रूप में स्थापित करने के उद्देश्य से इस कार्यशाला की परिकल्पना की गयी है। इस कार्यशाला द्वारा भारतीय शोध दृष्टि को समकालीन शोध दृष्टि के सापेक्ष समझने का प्रयास किया जाएगा। हमारा विश्वास है कि निश्चय ही यह कार्यशाला शोध की भारतीय दृष्टि की ओर आपका ध्यान आकृष्ट कर पाएगा। आप सभी से आग्रह है कि इस कार्यक्रम से जुड़ कर 'शोध की भारतीय दृष्टि' को अधिकाधिक लोगों तक पहुँचाने के इस अभियान में सहयोग प्रदान करें। सादर

कार्यशाला निदेशक	कार्यक्रम संयोजक
प्रोफेसर पवन कुमार शर्मा	डॉ0 प्रवीण कुमार तिवारी

"शोध की भारतीय व समकालीन दृष्टि"

विषयक सप्त-दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला (दिनांक 01/07/2020 से 07/07/2020)

कार्यशाला के उप विषय

शोध की भारतीय परम्परा और समकालीन शोध

भारतीय परम्परा और पाश्चात्य चिंतन में शोध का हेतु

भारतीय और पाश्चात्य ज्ञान मीमांसात्मक दृष्टि

भारतीय परम्परा में शोध विधियाँ और समकालीन शोध विधियाँ (गुणात्मक एवं मात्रात्मक)

भारतीय शोध में संदर्भ व दृष्टांत की परम्परा तथा समकालीन संदर्भ पद्धतियाँ

कार्यशाला के प्रमुख वक्ता

उद्घाटन सत्र (01/07/2020) एवं समापन सत्र (07/07/2020) के प्रमुख वक्ता

प्रोफेसर एन. के. तनेजा जी
माननीय कुलपति
चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय

प्रोफेसर अनिल कुमार शुक्ल जी
माननीय कुलपति
म. ज्यो. फुले रुहेलखण्ड विश्वविद्यालय

माननीया इन्दुमति काटदरे जी
माननीया कुलपति
पुनरुत्थान विद्यापीठ, गुजरात

माननीय जे. नन्द कुमार जी
अखिल भारतीय संयोजक
प्रज्ञा प्रवाह

सानिध्य

माननीय भगवती प्रसाद राघव जी
क्षेत्र संयोजक
प्रज्ञा प्रवाह, पश्चिमी उत्तर प्रदेश क्षेत्र

कार्यक्रम निदेशक

प्रोफेसर पवन कुमार शर्मा
अध्यक्ष, राजनीति विज्ञान विभाग
चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय

कार्यक्रम संयोजक

डॉ0 प्रवीण कुमार तिवारी
समन्वयक
पं. दीनदयाल उ. शोधपीठ, MJPRU

आयोजन सचिव

डॉ0 राजेंद्र पाण्डेय
सह आचार्य, राजनीति विज्ञान
चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय